Sub Registry Office, Danapur

Receipt for search, inspection and copy

Sri Kant Saran

Misc token no. Serial no. 10772

Year Date 26-9-18

Received from

Following fees:

F (i)- 0 F (iii)- 0 G- 0

F (ii)- 0 F (iv)- 0 G(a)- 0

Total- 0

300

Registering Officer

अनुसूची 21—फारम सं० 113

5037 27-9-18

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र संख्या ..... 19..... आवेदन सं० 10771 19 26-9-18

श्री/श्रीमती Sri Kant Saran

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निर्धारित संव्यवहारों और अवभारों का संविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाये। (आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दे।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में ता० 1-1-05 to fill date से ता० ..... 19 As Per Index II तक तलाशी की गयी और ऐसी तलाशी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला

.....चला है अतः संपत्ति उक्त अवभार से मुक्त है।

क्र० सं०	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र० निदेश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Mauza — Lakhni bigha. Khata No — 121 Tauzi No — 5225 Thana — Danapur Thana No — 41 S. Plot No — 1785 (P) Area — 16.5288 dec. North — Road South — Samiti Plot No-150 East — Road west — Road.							

1 दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें।

2 बंधक-पत्र की दिशा ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। बशर्ते को उनके बारे में उल्लेख हो।

3 पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण-पत्र तैयार किया:

(हस्ताक्षर): U.D.C

(पदनाम):

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की:

(हस्ताक्षर): Shailendra

(पदनाम): U.D.C.

कार्यालय: —— Danapur

तारीख: 27-9-78

27/9/78

मुहर एवं निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

टिप्पणी:—इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुति संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये हैं। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजो में दिखाया गया हो तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेकशनस) इस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जायेगें।

2 निबंधन अधिनियम की धारा-५७ के अधीन जो व्यक्ति (पार्टियाँ) और अनुक्रमाणियों (इन्डेन्स) की प्रविष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों लिखे लिखित याचिकाओं के अवलोकन के उपरान्त ही उपरोक्त से उनके तलासी स्वयं करनी होगी। निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर पार्टियाँ और अनुक्रमाणियाँ उनके पास सामने रखदी जायेगी।

(ग) किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिये किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(घ) और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढ़े गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढ़े गये ऐसे संव्यवहारो और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, जिला निबंधक आरा — दानापुर

द्वारा मोहरा 5044 दिनांक 28-9-78

आवेदक श्री Sri Kant Saran

का ऋणभार प्रमाण-पत्र द्वारा I.D.B.I Bank (Patna.)

का उनके पत्र संख्या ..... दिनांक ..... के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी

SPL-469/99-2,00,000